माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0	5	1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH BOARDOFSECONDARY... MADHYAPRADESHBHOPAL

1	3	2	7	6	9	7
एक	तीन	दो	सात	छः	नौ	सात

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में ______ शब्दों में ______

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 16

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

+2 हायर सकण्डरी — केन्द्र क्रमांक-131012

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
अजय राजौरिया	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
KRISHNA SHYAM 71V5058	71V5030

नोट :– ''हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिमा... स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।''

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्रा...

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं. 1

सही विकल्प —

(i) उत्तर → (ब) जग - जीवन का ।

(ii) उत्तर → (स) तुलसीदास की ।

(iii) उत्तर → (ब) जब मन खाली न हो ।

(iv) उत्तर → (द) चाँद सिंह को ।

(v) उत्तर → (अ) आनन्द यादव ।

(vi) उत्तर → (द) उपरोक्त सभी ।

प्रश्न नं. 2

रिक्त स्थान — उत्तर

(i) बच्चे (प्रत्याशा) में होंगे ।

(ii) भक्तिन का वास्तविक नाम (लछमिन) था

MPBSE

प्रश्न क्र.

M P B S E

(iii) सौंदलगेकर मास्टर (मराठी) पढ़ाने आते थे।

(iv) नाटक में पात्रों की संख्या (अधिक) होनी चाहिए।

(v) वीर रस का स्थायी भाव (उत्साह) है।

(i) जिन छन्दों में मात्राओं की गणना की जाती है वे (मात्रिक) छन्द कहलाते हैं।

नभ का अर्थ है (आकाश)।

प्रश्न नं. 3

सही जोड़ी - उत्तर

क्र.	(अ)	क्र.	(ब)
(i)	बात की चूड़ी मर जाना	(द)	बात का प्रभावहीन हो जाना
(ii)	अवधूत	(क)	शिरीष के फूल
(iii)	सिल्वर वैडिंग	(ड)	यशोधर बाबू
(iv)	कहानी का केन्द्रीय बिन्दु	(अ)	कथानक
(v)	चौपाई छन्द	(ब)	16-16 मात्राएँ
(vi)	तत्सम	(स)	संस्कृत के मूल शब्द

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं. 4

एक शब्द / वाक्य -

(i) उत्तर → सूर्योदय होने पर।

(ii) उत्तर → दो।

(iii) उत्तर → मोहनजोदड़ो, और हड़प्पा।

(iv) उत्तर → 15 से 30 मिनिट।

(v) उत्तर → तीन

(vi) उत्तर → दूसरा घर कर लेना → दूसरी शादी कर लेना।

(vii) उत्तर → वे शब्दांश जो क्रिया की विशेषता बताते हैं उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

M P B S E

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं. 5

सत्य / असत्य

(i) उत्तर → असत्य

(ii) उत्तर → सत्य

(iii) उत्तर → सत्य

(iv) उत्तर → असत्य

(v) उत्तर → असत्य

(vi) उत्तर → सत्य

प्रश्न नं. 6

उत्तर → बच्चे अपने माता-पिता के आने का इन्तजार कर रहे है इसलिए नीड़ो से झाँक रहे है क्योंकि उनके माता-पिता सुबह से ही भोजन की तलाश मे निकल गए है अब शाम हो गई है तो वे भोजन आने का और अपनी माता का स्नेह लेने के लिए झाँक रहे है।

मध्यप्रदेश MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं० 7

उत्तर → उषा कविता में कवि ने भोर के नभ की तुलना नीले शंख से की है।

प्रश्न नं० 8

उत्तर → भक्तिन स्वयं को न बदलकर दूसरो को अपने अनुसार बना लेती है रात को बना मकई का बना दलिया, सवेरे मट्ठे से खाना सफेद मुई की खिचड़ी, हरे दानो की खिचड़ी आदि खिलाकर भक्तिन ने महादेवी वर्मा को देहाती बना दिया है भक्तिन ने अपनी पसन्द का भोजन खिलाकर महादेवी को देहाती बना दिया है।

M P B S E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

MPBSE

प्रश्न नं० 9

उत्तर → जब गाँव मे महामारी के कारण प्रत्येक घर से दो-तीन लाशे उठने लगी तो उस समय ढोलक की आवाज ही गाँव के लोगो मे जीने की उमंग पैदा करती है। गाँव के अर्द्धमृत, औषधि पथ्य-विहीन प्राणियो मे वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी।

प्रश्न नं० 10

उत्तर → यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने मे इसलिए सफल हुई है क्योकि वे सा शादी करके एक संयुक्त परिवार मे आई थी, जहाँ जिठानियो की चलती थी उन्हे कुढिया की तरह रखते थे और यशोधर बाबू ने उनका पक्ष नहीं लिया, जब यह बात वे अपने बच्चो को बताती तो बच्चे उनके प्रति सहानुभूति दिखाते है उन्होंने कहा है कि वे इस आदमी जमाने की बात नही मौन मानेगी और उनके बच्चे भी नही मानेगे इसलिए वे समय के साथ ढल सकने मे सफल हुई और यशोधर बाबू नही हुई सफल।

[ ] + [ ] =

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं॰ 11

उत्तर → मुद्रित माध्यमों में लेखन स्व के लिए ध्यान रखने योग्य प्रमुख बाते निम्न है-

① भाषा, सरल, सहज एवं प्रभावमयी होनी चाहिए।

② पैराग्राफ छोटा होना चाहिए पहले पह पहलु पर फोकस करना चाहिए।

प्रश्न नं॰ 12

उत्तर → विरोधाभास अलंकार → जहाँ किसी पदार्थ, गुण या क्रिया में वास्तविक विरोध न होते हुए वि विरोध का आभास होता है वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

उदाहरण → मै निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ।
शीतल वाणी में, आग लिए फिरता हूँ॥

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

MPBSE

प्रश्न नं. 13

उत्तर → सोरठा छन्द → यह एक प्रकार दोहा का उल्टा होता है
प्रथम और तृतीय चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं और द्वितीय और ~~चतु~~ चौथे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं।
इसे सोरठा छन्द कहते हैं।

उदाहरण → बार-बार कह राऊ सुमुखि सुलोचनि,
कारन मोंऊ सुनाऊँ गज गामिनी
निज कोप कर॥

प्रश्न नं. 14

उत्तर → निपात शब्द → वे अव्यय जो किसी शब्द या पद के बाद लगकर उसके अर्थ में विशेष बल देते हैं
उन्हे निपात शब्द कहते हैं।

उदाहरण → राम केवल पढ़ रहा है।

दो निपात शब्दों के नाम — ही, केवल।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION
MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न न. 15 (अथवा)

उत्तर →
(i) क्या शिरीष के वृक्ष बड़े और छायादार होते है
(ii) अरे! पन्द्रह वर्ष बीत गए।

प्रश्न न. 16

उत्तर → तुलसीदास

दो रचनाएँ → (i) रामचरितमानस।
(ii) कवितावली।

भाव - पक्ष → तुलसीदास जी राम भक्ति धारा के प्रमुख कवि है उनका दृष्टिकोण समन्वय वादी है तुलसीदास जी का भाषाओ पर पुरा अधिकार है भाषाओ पर जैसा अधिकार तुलसीदास जी का है वैसा शायद किसी कवि का नही है वे भाषाओ के पीछे -पीछे नही भाषाएँ उनका अनुकरण किया करती है तुलसीदास जी ने लोकमंगल की भावना, समन्वय की भावना, और अनेक रसो का भी प्रयोग किया गया है।

प्रश्न क्र.

कला-पक्ष → तुलसीदास जी की भाषा संस्कृतनिष्ठ है उनकी रचनाओ मे अवधी और ब्रज भाषाओ के साथ अंग्रेजी, उर्दू व फारसी, बंगाली आदि और भाषाओ का प्रयोग अच्छी तरह से किया गया है। इनकी रचनाओ मे अनेक लोकोक्ति के साथ - साथ अनेक शैलीयो का भी प्रयोग किया गया है।

साहित्य मे स्थान → तुलसीदास जी हिन्दी साहित्य की महान भूभूति है उनकी रचनाएँ युग - युग का प्रचलित रहेगी। इन्होने राम मदांकिनी को प्रभावित करके जन - जीवन को कृतज्ञ कर दिया है इनको हिन्दी साहित्य की महान कृति प्रधान की गई है

प्रश्न नं. 17

उत्तर → महादेवी वर्मा

दो रचनाएँ → ① नीरजा
② मेरा परिवार

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

भाषा शैली → महादेवी जी की भाषा शुद्ध साहित्य खड़ी बोली है ~~तत्सम~~ तत्सम और तद्भव के साथ-साथ अंग्रेजी उर्दू फारसी आदि सभी भाषाओं का प्रयोग किया है इनका वाक्य विन्यास सरल सहज प्रभावमयी है इनकी रचनाएँ छोटी, चुटीली है ये अपनी रचनाओं में बहुत कुछ कह देती थी कभी-कभी तो शब्दों के बीच अनकही छोड़ देती थी इन्होंने अनेक शैलीय का प्रयोग किया है विचारात्मक शैली, भावात्मक शैली, आत्मपूरक शैली आदि अनेक शैलीय का प्रयोग किया गया है लेकिन विचारात्मक शैली इनकी रचनाओं में अधिक है इनकी रचनाएँ विभव के रूप में हैं।

साहित्य में स्थान → महादेवी जी ~~कि~~ हिन्दी साहित्य की महान लेखिका है इनको हिन्दी साहित्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है इन्होंने छायावादी युग में रचनाएँ की है ये छायावादी की लेखिका है। इन्हें आधुनिक युग की मीरा कहा जाता है इनकी रचनाएँ युगों-युगों का प्रचलित रहेगी।

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं० 18

उत्तर → उपसर्ग एवं प्रत्यय में अन्तर –

	उपसर्ग		प्रत्यय
1	वे शब्दांश जो शब्द के पहले लगकर उसके अर्थ को परिवर्तित कर देते है।	1	वे शब्दांश जो शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ को परिवर्तित कर देते है।
2	उदाहरण → वि + ज्ञान = विज्ञान	2	उदाहरण → वीर + ता = वीरता
3	उपसर्ग 22 होते है	3	प्रत्यय दो प्रकार के होते है।

प्रश्न नं० 19

उत्तर → अपठित गद्यांश

संकेत → राष्ट्रीय भावना ———— जाग्रत रहा है।

(i) उत्तर → राष्ट्रीय भावना मे शौर्य भाव।

(ii) उत्तर → राष्ट्रीय भावना मे शौर्यभाव का अपना विशिष्ट स्थान है।

(iii) उत्तर → लम्बे समय तक।

M P B S E

प्रश्न क्र.

(iii) उत्तर -> राष्ट्र गौरव [illegible] और उसकी रक्षा का प्रबल भाव जिस कविता में व्यक्त होता है उस वीर भाव को अन्तर्गत गिना जाता है हिन्दी

प्रश्न नं. 20

उत्तर -> पद्यांश

संकेत -> कविता एक उड़ान ---- क्या जाने?

संदर्भ -> प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोही के भाग - 2 के पाठ कविता के बहाने से अवतरित है, इसके रचयिता कुँवर नारायण है।

प्रसंग -> प्रस्तुत पद्यांश में कविता की तुलना चिड़िया से की गई है।

व्याख्या -> कवि कहते हैं कि कविता की उड़ाने चिड़िया की तरह है जिस प्रकार चिड़िया अपने पंखो के द्वारा उड़ान भरती है उसी तरह कविता की उड़ान भी है लेकिन चिड़िया को थककर वापस जमीन पर लौटना होता है।

प्रश्न क्र.

लेकिन कविता को एक बार जाने पर उसे लौटना नहीं होता है इसलिए कविता की उड़ान चिड़िया कैसे समझ सकती है कविता भी बाहर, भीतर, इस घर उस घर बिना किसी का भेदभाव किया कर सभी दिशाओं में उड़ती है इसलिए कवि ने कहा है की कविता की उड़ान चिड़िया क्या जानती है।

काव्य सौन्दर्य →

(1) कविता की तुलना चिड़िया से की गई है।

(1) गेय मुक्तक शैली है।

(2) अनुप्रास अलंकार है।

(3) भाषा, सरल सहज है।

प्रश्न नं० 21

उत्तर → गद्यांश

संकेत → पैसा पावर — — — पावर का रस है।

संदर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोही के भाग -2 के पाठ बाजार दर्शन से अवतरित है इसके ~~रचयिता~~ लेखक जैनेन्द्र कुमार है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रसंग → प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने पैसे की पावर के बारे में बताया है।

व्याख्या → लेखक कहता है की पैसा एक पावर है पर उसके सबूत के लिए आस-पास माल-टाल जमा न हो तो क्या वह खाक है पैसा। पैसा बैंक में जमा करना चाहिए। लेकिन पैसे को देखने के लिए भी बैंक हिसाब देखना चाहिए। पैसे के द्वारा ही हमारी कि सभी चीजो की आवश्यकता पैसो द्वारा ही पूरी होती है पैसे लेकर जब लोग बाजार जाते है तो वहाँ अपनी पर्चेजिंग पावर दिखाते है पर्चेजिंग पावर में ही पावर का रस है।

विशेष →
① पैसो की पावर के बारे मे बताया है।
② साहित्यक खड़ी बोली का प्रयोग हुआ है।
③ माल-टाल मकान-कोठी, माल-असबाब जैसे शब्दो का प्रयोग करना चाहिए।

M P B S E

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं. 22

उत्तर ~~पा~~ पत्र

महुआ कॉलोनी
वार्ड नं. 14
~~दिनांक~~ दिनांक
19/02.22

प्रिय मित्र
कमलेश

बड़े हर्ष के साथ सूचित कर रही हूँ। कि मेरे बड़े भाई का विवाह दिनांक 28-02-22 को सम्पन्न होने जा रहा है। ~~व~~ दिनांक 24-02-22 से विवाह की तैयारियाँ आरम्भ हो जायेगी। इसलिए मैं तुम्हें अपने भाई की शादी में बुलाना चाहती हूँ आशा है कि तुम 24-02-22 दिनांक तक आ जाओगे।

अंकल और आंटी को मेरा प्रणाम कहना। छोटू को बहुत सा प्यार।

तुम्हारी मित्र
शिल्पी

MPBSE

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न नं. 23

अनुच्छेद

उत्तर → पर्यावरण प्रदूषण : उसकी रोकथाम में आपका योगदान

पर्यावरण प्रदूषण का प्रकोप हमारे चारो ओर फैला हुआ । प्रदूषण का कारण कही-कही हम लोग ही है पर्यावरण प्रदूषित होने से बचाना चाहिए । हमे अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहिए जिससे श्वसन की कभी कमी न हो तथा वायु प्रदूषण भी न हो । वायु प्रदूषण का मुख्य कारण है वाहन वाहनो से धुआ निकल रहा है जिससे वायु प्रदूषण हो रहा है जल प्रदूषण के तो अनेक कारण है क्योंकि उद्योगो कारखाने से निकलने वाला कचरा नदियों मे बहा देते है जिससे प्रदूषण हो रहा है जल पीने योग्य नही रहता है ध्वनि प्रदूषण तेज आवाज मे बजाए जा रहे रेडियो डी.जे आदि अनेक उपकरण है इससे ध्वनि प्रदूषण हो रहा है व हमे पर्यावरण को

प्रश्न क्र.

प्रदूषित होने से बचाना चाहिए। और लोगो को जाग्रत करना चाहिए कि पर्यावरण प्रदूषित हो जाने से कितना नुकसान होता है।

M
P
B
S
E